

द एनिमी

कहानी का विस्तृत सारांश

द एनिमी पर्ल एस. बक द्वारा लिखित एक कहानी है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान में स्थापित है। कहानी डॉ. सादाओ होकी नामक एक जापानी सर्जन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने समुद्र तट पर एक घायल अमेरिकी युद्धबंदी को पाता है। वह देशभक्त होने के बावजूद, अपने नैतिक कर्तव्य के कारण सैनिक का इलाज करने का निर्णय लेता है। यह कहानी कर्तव्य और मानवता के बीच के संघर्ष को उजागर करती है।

विस्तृत घटनाक्रम

डॉ. सादाओ अपने घर के पास समुद्र तट पर एक घायल अमेरिकी सैनिक को पाते हैं। शुरू में वे उसे छोड़ने का विचार करते हैं, लेकिन फिर अपने चिकित्सीय दायित्व के कारण उसे अपने घर लाकर उपचार करते हैं। उनकी पत्नी हाना डरती हैं लेकिन अपने पति का साथ देती हैं। हालांकि, उनके घर के नौकर-चाकर इसे गलत मानते हैं और नौकरी छोड़ देते हैं। जब डॉ. सादाओ अपने देश के प्रति वफादारी दिखाने के लिए जनरल को इस बारे में बताते हैं, तो जनरल वादा करता है कि वह सैनिक को मारने के लिए हत्यारे भेजेगा। लेकिन बाद में, वह अपने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं में व्यस्त हो जाता है और इस बात को भूल जाता है। अंततः, डॉ. सादाओ सैनिक को सुरक्षित भागने में मदद करते हैं, यह दिखाते हुए कि मानवता कभी-कभी देशभक्ति से ऊपर होती है।

पात्र

डॉ. सादाओ होकी: एक प्रतिभाशाली जापानी सर्जन, जो अपने देश और नैतिकता के बीच संघर्ष करता है।

हाना: डॉ. सादाओ की पत्नी, जो उनके निर्णय का समर्थन करती हैं।

अमेरिकी सैनिक (टॉम): घायल युद्धबंदी, जिसका डॉ. सादाओ इलाज करते हैं।

नौकर-चाकर: जो डॉ. सादाओ के निर्णय से असहमति जताते हैं और घर छोड़ देते हैं।

जनरल: एक उच्च पदस्थ जापानी अधिकारी, जो सैनिक को मारने की योजना बनाता है लेकिन बाद में इसे भूल जाता है।

Evans Tries an O-Level

पात्रों का परिचय

- **Evans:** एक चालाक अपराधी जो जेल से भागने की योजना बनाता है।
- **Governor:** जेल का अधिकारी, जो इवांस पर कड़ी नजर रखता है।
- **Jackson:** जेल का वरिष्ठ अधिकारी, जो सुरक्षा सुनिश्चित करता है।
- **Stephens:** जेल का एक नया गार्ड, जिसे इवांस की निगरानी के लिए रखा जाता है।
- **Reverend McLeery:** एक पादरी, जिसकी पहचान इवांस अपनाकर भाग जाता है।
- **Detective Carter:** पुलिस अधिकारी, जो इवांस को पकड़ने की कोशिश करता है।

कहानी का विस्तृत सारांश

1. इवांस की पृष्ठभूमि

इवांस एक पेशेवर अपराधी है, जो पहले तीन बार जेल से भाग चुका है। इस बार, वह ऑक्सफोर्ड जेल में बंद है और जेल अधिकारी उस पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। इवांस ने खुद को एक भले आदमी के रूप में दिखाने के लिए जर्मन भाषा का ओ-लेवल परीक्षा देने की योजना बनाई। जेल प्रशासन उसकी इस इच्छा को स्वीकार कर लेता है।

2. परीक्षा की तैयारी और सुरक्षा उपाय

परीक्षा जेल के अंदर ही करवाई जानी थी। इसलिए, गवर्नर और जेल अधिकारियों ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की:

- इवांस को एक विशेष कमरे में बैठाया गया।
- जेल का एक गार्ड स्टीफेंस परीक्षा कक्ष के बाहर निगरानी के लिए तैनात किया गया।
- जैक्सन नामक अधिकारी ने इवांस के कमरे की तलाशी ली और उसकी टोपी को हटाने का सुझाव दिया, लेकिन इवांस ने कहा कि यह उसकी सौभाग्यशाली टोपी है, और जैक्सन ने इसे रहने दिया।
- परीक्षा का संचालन करने के लिए रेवरेंड मैकलीरी नामक पादरी को अंदर जाने दिया गया।

3. परीक्षा के दौरान इवांस का जाल

जैसे ही परीक्षा शुरू हुई, इवांस ने एक चालाकी भरी योजना लागू की:

- उसने अपनी टोपी पहने रखी, ताकि बालों का रंग छिपा सके।
- परीक्षा के दौरान उसने खुद को एक असली परीक्षार्थी की तरह पेश किया।

- परीक्षा खत्म होने के बाद, स्टीफेंस ने अंदर जाकर देखा कि रेवरेंड मैकलीरी घायल अवस्था में कुर्सी पर बैठे हैं और उनके सिर से खून बह रहा है।
- उन्होंने कहा कि इवांस खिड़की से भाग गया है।

4. प्रशासन की गलती और इवांस की सफलता

घायल रेवरेंड मैकलीरी को पुलिस अधिकारियों के साथ अस्पताल भेज दिया गया। लेकिन असली रहस्य तब खुला जब गवर्नर को एहसास हुआ कि **जो व्यक्ति घायल पादरी के रूप में दिख रहा था, वह असल में इवांस था!** इवांस ने असली पादरी को पहले ही बेहोश कर दिया था और खुद पादरी के वेश में जेल से बाहर निकल गया था।

5. इवांस की गिरफ्तारी और अंतिम चालाकी

पुलिस ने इवांस को एक होटल से गिरफ्तार कर लिया। गवर्नर ने इवांस से पूछा कि उसने यह सब कैसे किया। इवांस ने अपनी पूरी योजना बताई –

- पादरी के वेश में छिपकर भागने की योजना पहले से बनाई गई थी।
- परीक्षा में लिखी गई जर्मन भाषा की स्क्रिप्ट में एक गुप्त संदेश था, जिसमें भागने की पूरी योजना दी गई थी।
- बाहर से उसके साथी पुलिस की वर्दी में आए और उसे सही जगह पर पहुंचाया।

गवर्नर ने इवांस को फिर से जेल भेजने के लिए पुलिस वैन में बैठाया। लेकिन कहानी का सबसे दिलचस्प मोड़ तब आया जब वैन में बैठे पुलिस वाले असल में इवांस के ही आदमी होते हैं! वे वैन को सीधा इवांस की आजादी की ओर ले जाते हैं। इस तरह, **इवांस फिर से प्रशासन को चकमा देकर भाग निकलता है।**

कहानी का मुख्य संदेश

- चालाकी और बुद्धिमत्ता किसी भी स्थिति से बच निकलने में मदद कर सकती है।
- अत्यधिक आत्मविश्वास और लापरवाही प्रशासन के लिए नुकसानदायक हो सकता है।
- जेल प्रशासन ने कई सुरक्षा उपाय किए, लेकिन फिर भी इवांस की योजना उनसे एक कदम आगे थी।

निष्कर्ष

"Evans Tries an O-Level" एक **थ्रिलर और सस्पेंस** से भरी कहानी है, जिसमें **चालाकी, प्लानिंग और प्रशासनिक असफलता** को दिखाया गया है। इवांस की बुद्धिमत्ता और प्रशासन की छोटी-छोटी गलतियाँ उसे बार-बार बच निकलने में मदद करती हैं। यह कहानी न्याय बनाम अपराधी की होशियारी की दिलचस्प लड़ाई को दर्शाती है।

On the Face of It (सारांश)

लेखक: सुसान हिल

मुख्य पात्र:

- डेरी (Derry) - एक 14 वर्षीय लड़का, जिसका चेहरा तेजाब से झुलस गया है।
- मि. लैम्ब (Mr. Lamb) - एक वृद्ध व्यक्ति, जिनकी एक टांग नकली है।

कहानी का सारांश:

यह कहानी आत्म-स्वीकृति, सकारात्मक सोच, और समाज में बाहरी रूप की धारणाओं के बारे में है। डेरी एक किशोर है, जो अपने चेहरे पर जलने के निशान की वजह से आत्मविश्वास खो चुका है। लोग उसके रूप को लेकर टिप्पणी करते हैं, जिससे वह खुद को समाज से अलग कर लेता है।

एक दिन, वह गलती से मि. लैम्ब के बगीचे में घुस जाता है। पहले तो वह डरता है, लेकिन मि. लैम्ब उसे समझाते हैं कि असली सुंदरता बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है। वे बताते हैं कि विकलांगता एक मानसिक अवस्था है, और अगर कोई खुद को कमजोर मान ले, तो वही उसकी असली कमजोरी बन जाती है।

मि. लैम्ब के प्रेरणादायक शब्दों से डेरी प्रभावित होता है और समाज का सामना करने का निश्चय करता है। लेकिन जब वह लौटकर मि. लैम्ब से मिलने आता है, तो पाता है कि वे गिरकर मर चुके हैं। यह घटना उसे और मजबूत बनाती है, और वह तय करता है कि अब वह खुद को कमजोर नहीं समझेगा।

शिक्षा:

यह कहानी हमें सिखाती है कि आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच हमें हर परिस्थिति में आगे बढ़ने की ताकत देती है। समाज की धारणाओं को नकारते हुए हमें अपनी खूबियों पर ध्यान देना चाहिए।

Memories of Childhood (विस्तृत कहानी)

लेखक: ज़िटकाला-सा और बाबनडियन

मुख्य पात्र:

- **ज़िटकाला-सा** - मूल अमेरिकी लड़की, जिसे बोर्डिंग स्कूल में भेजा जाता है।
- **बाबनडियन** - दलित लड़की, जो जातिगत भेदभाव का सामना करती है।
- **महिला शिक्षक** - एक दयालु शिक्षिका, जो बाबनडियन को आत्मसम्मान का पाठ पढ़ाती हैं।
- **बोर्डिंग स्कूल के शिक्षक** - वे लोग, जो ज़िटकाला-सा को उनके रीति-रिवाजों से दूर करना चाहते हैं।

भाग 1: The Cutting of My Long Hair

यह कहानी ज़िटकाला-सा के जीवन पर आधारित है, जो एक मूल अमेरिकी लड़की थी। उसे एक मिशनरी बोर्डिंग स्कूल में भेजा जाता है, जहाँ उसके लंबे बाल जबरन काट दिए जाते हैं। यह उसके समुदाय के रीति-रिवाजों के खिलाफ था, क्योंकि लंबे बाल उनके आत्मसम्मान और पहचान का प्रतीक थे।

स्कूल में उसे अपनी संस्कृति से दूर करने की कोशिश की जाती है, जिससे वह अत्यधिक दुःखी होती है। उसका यह अनुभव दर्शाता है कि किस प्रकार मूल निवासियों को उनके अधिकारों से वंचित किया गया और उन्हें जबरदस्ती पाश्चात्य सभ्यता अपनाने पर मजबूर किया गया।

भाग 2: We Too Are Human Beings

यह भाग बाबनडियन के जीवन से जुड़ा है, जो दलित समुदाय से थी। वह बचपन में जातिगत भेदभाव का सामना करती है, जब उसे स्कूल में अन्य छात्रों और शिक्षकों द्वारा अपमानित किया जाता है। उसे नीची जाति का मानकर पानी तक छूने नहीं दिया जाता।

लेकिन उसकी महिला शिक्षक उसकी प्रतिभा को पहचानती हैं और उसे पढ़ाई में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। इससे बाबनडियन को आत्मसम्मान मिलता है और वह भविष्य में समाज में अपनी पहचान स्थापित करती है।

शिक्षा:

यह कहानी हमें सिखाती है कि हमें अपने आत्मसम्मान और पहचान को बनाए रखना चाहिए। समाज में व्याप्त भेदभाव और अन्याय को सहन करने के बजाय, हमें अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना चाहिए। यह कहानी जातिवाद और सांस्कृतिक दमन के खिलाफ एक मजबूत संदेश देती है।